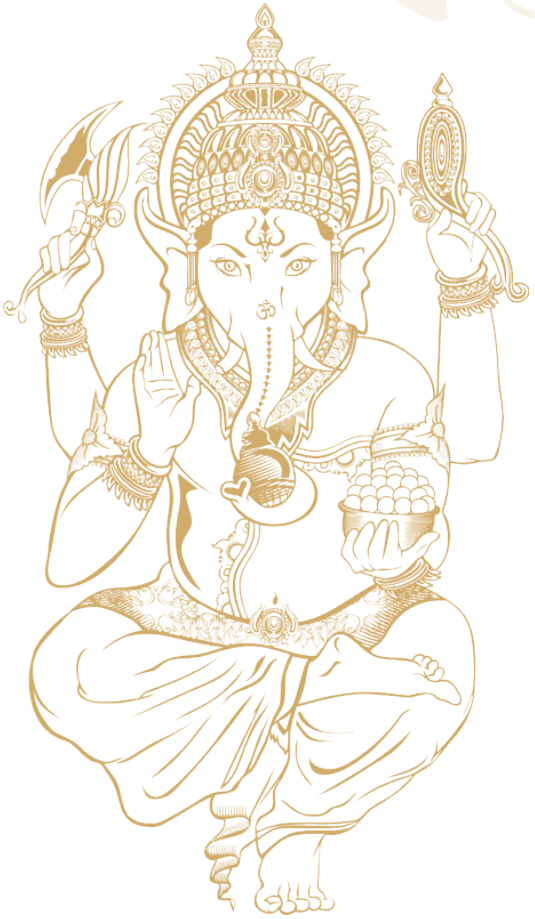

Kuldeep Yadav

01 Nov 2006

01:50 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121316511

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/11/2006**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:50:00 घंटे**
इष्ट	49:21:30 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:53:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	04:33:30 घंटे
सूर्योदय	06:05:24 घंटे
सूर्यास्त	17:14:40 घंटे
दिनमान	11:09:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:19:07 तुला
लग्न के अंश	16:45:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:45:59	319:59:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			तुला	14:19:07	01:00:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	09:42:18	14:17:54	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	11:34:00	00:40:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	00:27:11	00:27:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	00:53:41	00:13:01	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	तुला	15:21:48	01:15:14	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	29:59:10	00:03:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु			मीन	00:34:50	00:01:16	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु			कन्या	00:34:50	00:01:16	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष		व	कुंभ	17:00:48	00:00:57	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:04:47	00:00:05	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	00:57:24	00:01:40	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	16:03:42	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:10

लग्न-चलित

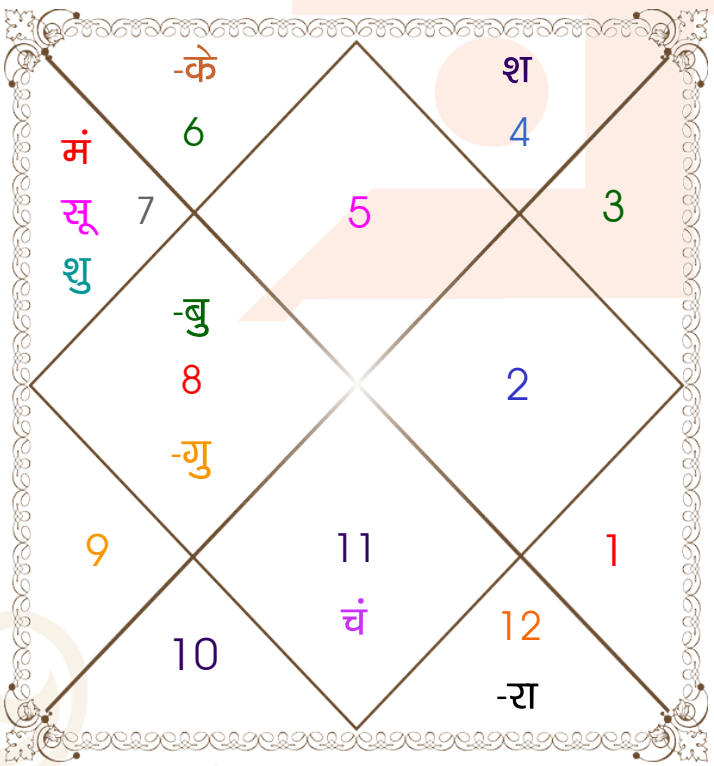

चन्द्र कुंडली

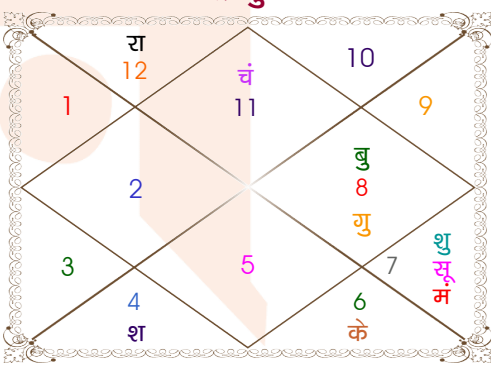

नवमांश कुंडली

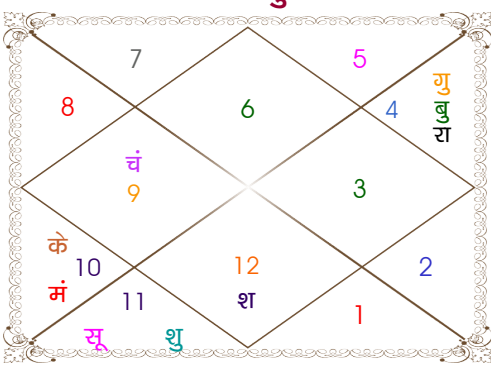

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 10 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/11/2006		24/09/2020		24/09/2036		25/09/2055		24/09/2072	
24/09/2020		24/09/2036		25/09/2055		24/09/2072		25/09/2079	
	01/11/2006	गुरु	12/11/2022	शनि	28/09/2039	बुध	20/02/2058	केतु	20/02/2073
गुरु	31/10/2007	शनि	25/05/2025	बुध	07/06/2042	केतु	18/02/2059	शुक्र	22/04/2074
शनि	06/09/2010	बुध	31/08/2027	केतु	17/07/2043	शुक्र	18/12/2061	सूर्य	28/08/2074
बुध	26/03/2013	केतु	06/08/2028	शुक्र	15/09/2046	सूर्य	25/10/2062	चंद्र	29/03/2075
केतु	13/04/2014	शुक्र	07/04/2031	सूर्य	28/08/2047	चंद्र	25/03/2064	मंगल	25/08/2075
शुक्र	13/04/2017	सूर्य	24/01/2032	चंद्र	29/03/2049	मंगल	23/03/2065	राहु	12/09/2076
सूर्य	08/03/2018	चंद्र	25/05/2033	मंगल	07/05/2050	राहु	10/10/2067	गुरु	19/08/2077
चंद्र	06/09/2019	मंगल	01/05/2034	राहु	13/03/2053	गुरु	15/01/2070	शनि	27/09/2078
मंगल	24/09/2020	राहु	24/09/2036	गुरु	25/09/2055	शनि	24/09/2072	बुध	25/09/2079

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/09/2079		25/09/2099		25/09/2105		26/09/2115		25/09/2122	
25/09/2099		25/09/2105		26/09/2115		25/09/2122		00/00/0000	
शुक्र	24/01/2083	सूर्य	12/01/2100	चंद्र	27/07/2106	मंगल	22/02/2116	राहु	08/06/2125
सूर्य	24/01/2084	चंद्र	14/07/2100	मंगल	25/02/2107	राहु	11/03/2117	गुरु	02/11/2126
चंद्र	24/09/2085	मंगल	19/11/2100	राहु	26/08/2108	गुरु	15/02/2118		00/00/0000
मंगल	24/11/2086	राहु	13/10/2101	गुरु	26/12/2109	शनि	27/03/2119		00/00/0000
राहु	24/11/2089	गुरु	02/08/2102	शनि	27/07/2111	बुध	23/03/2120		00/00/0000
गुरु	25/07/2092	शनि	15/07/2103	बुध	25/12/2112	केतु	19/08/2120		00/00/0000
शनि	25/09/2095	बुध	20/05/2104	केतु	26/07/2113	शुक्र	20/10/2121		00/00/0000
बुध	26/07/2098	केतु	25/09/2104	शुक्र	27/03/2115	सूर्य	24/02/2122		00/00/0000
केतु	25/09/2099	शुक्र	25/09/2105	सूर्य	26/09/2115	चंद्र	25/09/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।